ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–48
दिनांकः गुरूवार, 25 जून, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37..2 एवं 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 81 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 33.4 एवं दोपहर में 42.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(26–30 जून 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26 जून से 30 जून, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। हलाकि कुछ स्थानों पर 27–29 जून के दौरान मेघगर्जन एवं तेज झोंकेदार हवाएँ चलने की संभावना है। इसके प्रभाव से कहीं–कहीं हल्की से मध्यम वर्षा होने का भी अनुमान है।
- इस दौरान औसतन अधिकतम तापमान 32–36°C के बीच रहने की संभावना है, जबकि सिवान, गोपालगंज, बेगूसराय, पूर्वी एवं पश्चिमी चम्पारण जिलों में तापमान 39–40°C तक पहुँच सकता है। न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 80–85 प्रतिशत तथा दोपहर की सापेक्षिक आर्द्रता 30–35 प्रतिशत रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 14–20 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- ऊँचास जमीन में खरीफ मक्का की बुआई करते चले। अंतिम जुताई के समय 100–150 क्विंटल सड़ी गोबर की खाद तथा 30 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। *शक्तिमान–2*, *शक्तिमान–5*, *शक्तिमान–6* एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का–3* किस्मों की बुआई पर्याप्त नमी होने पर करें।

- ऊँचास जमीन में अरहर की बुआई हेतु खेत तैयार करें। *बहार, पूसा–9*, *राजेन्द्र अरहर–1* एवं *राजेन्द्र अरहर–2* किस्मों की बुआई 60 × 20 सेमी दूरी पर करें। अंतिम जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें। अरहर के लिए अनुशंसित बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। बुआई से पहले बीजों को कार्बेन्डाजिम, क्लोरपायरीफॉस एवं राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।

- किसान खरीफ सब्जियों जैसे भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ एवं लौकी की बुआई करे। अल्प वर्षा की वर्तमान परिस्थितियों में खेतों में खरपतवारों के अधिक प्रकोप की संभावना है, इसलिए इस समय समय पर निराई–गुड़ाई करना अत्यंत आवश्यक है। 5–7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें तथा पत्ती खाने वाली सूंडी एवं फल छेदक कीट की निगरानी कर आवश्यकता पड़ने पर डाइमेथोएट 30 ई.सी./1.0–1.5 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें।

- मोटे अनाजों की खेती हेतु ऊँचास भूमि का चयन करें। मडुआ की *राजेन्द्र मडुआ, आरयू–8* एवं *आरयू–3* तथा कौनी की *राजेन्द्र कौनी–1* किस्मों की बुआई कर सकते है।

- लीची की फल तुड़ाई के बाद बगीचों में छंटाई (प्रूनिंग) करें तथा गिरे हुए पत्तों एवं सूखी टहनियों की सफाई करें, जिससे कीट एवं रोगों का प्रकोप कम हो और पेड़ों की स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा मिले।

- दुधारू पशुओं में संक्रामक रोगों से बचाव हेतु पशु चिकित्सकों के निर्देशानुसार रोग–निरोधक उपाय अपनाएँ तथा मेघगर्जन एवं वज्रपात के समय पशुओं को खुले में न रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 37.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी